B-4

L-5

दिनांक
23/01/24

बंगाल मे द्वैधशासन (1765-1772)

• 1765-72 के मध्य बंगाल पर कम्पनी और नवाब के शासन के सन्दर्भ मे इस शब्द का प्रयोग किया जाता है।

• नवाब के पास प्रशासनिक अधिकार थे और कम्पनी के पास दिवानी अधिकार।
(वास्तव मे प्रशासनिक अधिकार कम्पनी के पास था)

• अंग्रेजो की नीति सावधानी पूर्वक आगे बढ़ने की थी।

• उनका मुख्य लक्ष्य आर्थिक था जो कि इस नीति मे भी पूरा हो रहा था।

• भारतीय शासको के द्वारा विरोध का भय।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

क्लाइव भारत मे ब्रिटिश साम्राज्य के संस्थापक के रूप मे :-

• क्लाइव कम्पनी का एक सामान्य कर्मचारी था योग्यता के बल पर सेना मे उसे उच्च पद पर नियुक्त किया गया और भारत मे दो बार गवर्नर के रूप मे कार्यकाल रहा।

Note → (1757 से 1760 तथा 1765 से 1767)

• द्वितीय कर्नाटक युद्ध के दौरान क्लाइव ने अर्काट पर नियंत्रण स्थापित कर कर्नाटक मे मे अंग्रेजो की स्थिति को मजबूत किया।

• बंगाल पर अप्रत्यक्ष शासन की योजना क्लाइव ने बनाई।

Note :-

बंगाल मे द्वैधशासन की शुरुआत क्लाइव के द्वारा किया गया।
द्वैधशासन का अंत 1772 - 1785 ई० मे वारेन हेस्टिंग के द्वारा किया गया।

आंग्ल मैसूर युद्ध :-

- मैसूर पर 18वीं सदी के मध्य मे वाडयार वंश के कृष्णराज वाडयार का शासन था। हालाँकि सत्ता पर नियंत्रण दो भाईयों का था।
- मैसूर की सेना मे हैदर अली एक सामान्य अधिकारी था
- 1761 ई० मे उसने मैसूर की सत्ता पर नियंत्रण स्थापित किया।
- 1761 से 66 के बीच दक्षिण भारत की परिस्थितियों का लाभ उठाते हुए इसने केरल, तमिलनाडु, आन्ध्रप्रदेश इत्यादि क्षेत्रो मे साम्राज्य का विस्तार किया।

प्रथम युद्ध :- 1767 - 69 :

- यह युद्ध अनिर्णायक रहा और 1769 मे मद्रास की सन्धि के द्वारा युद्ध समाप्त हुआ।

Note → युद्ध के प्रारम्भ मे निजाम एवं मराठे अंग्रेजो की तरफ थे और युद्ध के दौरान हैदर ने उन्हें अपनी तरफ मिलाया।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
KHAN SIR